

2017

M. A.

4th Semester Examination

HINDI

Paper – 401

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

The figures in the right-hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

8×2

क) रहने को तो रह गये, और जौनपुर भाई के घर चिट्ठी भी लिखकर डाल दी गई, किन्तु मुझे बड़ा तरदुद मालूम होने लगा । यदि कहीं इन लोगों को असली बात मालूम हो गई, तो क्या कहेंगे ।

(Turn Over)

चिट्ठी का जवाब आने का समय जितना ही नजदीक आता जाता था, उतना ही मैं साथी से चल देने का आग्रह करने लगा, किन्तु वह चलने को तैयार नहीं था।

- ख) जैसे लोग कुत्ते को दो पैरों में बैठना, गर्दन ऊँची कर खड़ा होना, मुँह पर पंजे रखकर सलाम करना आदि करतब सिखाते हैं, उसी प्रकार से सब उसे तम्बाखू के धुएँ और दुर्गन्धित साँस से भरे और फटे चिथड़े, टूटे बरतन और मैले शरीरों से बसे हुए कमरे में बन्द कर कुछ विशेष संकेतों और हँसने-रौने के अभिनय में पारंगत बनाने लगे।
- ग) आदि कवि वाल्मीकि की वाणी इसी सौन्दर्य के उद्घाटन महोत्सव का दिव्य संगीत है। सौन्दर्य का यह उद्घाटन असौन्दर्य का आवरण हटाकर होता है। धर्म और मंगल की वह ज्योति अधर्म और अमंगल की घटा को फाड़ती हुई फटती है।
- घ) मुझे लगने लगा है कि वही सुख की गहरी नींद सोता है, जिसे सपने नहीं आते। मेरा पहले खयाल था कि सूअर और कुत्ता ऐसे प्राणी हैं जिन्हें सपने नहीं आते। पर अब अन्न का दाना न मिलने से चूहे को भी सपने आते हैं।

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×12
- i) 'मेरी जीवन-यात्रा' के अन्तर्गत 'बक्सर जेल में छः मास' शीर्षक लेख की विशेषताएँ लिखिए ।
 - ii) "'सूखा-1966 (बिहार)' में मानवीय विशेषता और यातना के त्रासमय हाहाकार का स्वाभाविक चित्रण है"—इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
 - iii) 'काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था' की रचना-दृष्टि पर विचार कीजिए ।
 - iv) रेखाचित्र की विशेषताओं के आधार पर 'ठकुरी बाबा' की विवेचना कीजिए ।

—o—

